This question paper contains 7 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

5407

B.A. (Programme) / III A

(Application Course)

रचनात्मक लेखन – हिन्दी

(प्रवेश-वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 50**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित अवधारणाओं में से किन्हीं **चार** पर लगभग **100** शब्दों में टिप्पणी लिखिए : $4 \times 2\frac{1}{2} = 10$

   (i) विज्ञापन और रचनात्मकता

   (ii) लोकप्रिय संस्कृति के विविध आयाम

   (iii) रचनात्मक लेखन के आधार

   (iv) सृजनात्मक लेखन का महत्त्व

   (v) साहित्य सृजन का उद्देश्य

(vi) साहित्य और समाज

(vii) काव्य में कल्पना तत्त्व

(viii) लोक व्यवहार की भाषा और साहित्य लेखन

2. (क) निम्नलिखित उद्धरणों में प्रयुक्त किन्हीं छह की यथानिर्दिष्ट विशेषताओं को चिह्नित कीजिए : $6 \times \frac{1}{2} = 3$

(i) चारू चन्द्र की चंचल किरणें,
खेल रही थीं जल थल में ।

(अनुप्रास)

(ii) जेते तुम तारे, तेते नभ में न तारे हैं ।

(यमक)

(iii) को तुम हो ? इत आए कहाँ ?
'घनश्याम' हैं, तो कितहूँ बरसों ।

(वक्रोक्ति)

(iv) बिनु पद चलै सुने बिनु काना,
कर बिनु करम करे विधि नाना ।

(विभावना)

(v) देख लो साकेत नगरी है यही,

स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही ।

(अतिशयोक्ति)

(vi) हरि मुख-पंकज, भ्रू-धनुष लोचन-खजन मित्त,

अधर-बिम्ब, कुण्डलमकर बसे रहत मो चित्त ।

(रूपक)

(vii) सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात,

मनो नीलमनि सैल पर आतप पर्‌यो प्रभात ।

(उत्प्रेक्षा)

(viii) दृग उरझत, टूटत कुटुंब, जुरत चतुर चित्त प्रीति,

परति गांठ दुरजन हिये, दई नई यह रीति ।

(असंगति)

(ix) इकटक सब चितवहिं तेहि ओरा

रामचंद्र मुख-चंद्र-चकोरा ।

(रूपक)

(x) कृष्ण नहीं पीताम्बर पहनें

बिजली चमक रही घन में

(अपह्नुति)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की यथानिर्दिष्ट विशेषताएँ लिखिए : $3 \times 1 = 3$

(i) पारिभाषिक शब्द

(ii) यौगिक शब्द

(iii) तत्सम् और तद्भव

(iv) भाषा की अनौपचारिक शैली

(v) भाषा का आँचलिक प्रयोग

(vi) मानक भाषा

(ग) किन्हीं **दो** अवधारणाओं पर 75 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : $2 \times 2 = 4$

(i) शब्द शक्ति

(ii) प्रतीक विधान

(iii) मुक्त छंद और मुक्त छंद में अंतर

(iv) वक्रोक्ति अलंकार

3. (क) निम्नलिखित काव्यांश के संरचनात्मक सौन्दर्य का विश्लेषण कीजिए :

वह तोड़ती पत्थर

देखा उसे मैंने

इलाहाबाद के पथ पर

वह तोड़ती पत्थर

कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,

श्याम तन, भर बंधा यौवन

नत नयन, प्रिय कर्म रत मन ।

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार –

सामने तरु मालिका अट्टालिका, प्राकार ।

चढ़ रही थी धूप

गर्मियों के दिन

दिवा का तमतमाता रूप

उठीं झुलसाती हुई लू

रूई ज्यों जलती हुई भू

गर्द चिनगीं छा गयीं,

प्राय: हुई दुपहर,

वह तोड़ती पत्थर ।

अथवा

पत्र-प्रेषक के सम्बन्ध में सारी समस्याओं का समाधान कर लेने के उपरांत भी एक कठिनाई रह जाती है । एक व्यक्ति के पत्र में गाँव-भर कुछ-न-कुछ लिखाना चाहता है । किसी की ओर से पालागन लिखना है, तो किसी की ओर से असीस । किसी की जै रामजी पहुँचाना है, तो किसी की भेंट-अंकवार । कोई 'पाती आधा मिलन है' लिखवाकर अपने कवित्व का परिचय देना चाहता है, तो कोई 'हुई है सोइ जो राम रचि राखा' लिखवाकर दार्शनिकता का । 9

(ख) निम्नलिखित अवधारणाओं में से किन्हीं **तीन** की लगभग 75 शब्दों में व्याख्या कीजिए : $3 \times 2 = 6$

(i) बाल नाटक की विशेषताएँ

(ii) नाट्य भाषा

(iii) बाल साहित्य का उद्देश्य

(iv) उपन्यास और कहानी में अंतर

(v) मुक्तक काव्य

(vi) गद्य और पद्य में अंतर

4. (क) रेडियो-कार्यक्रमों की स्क्रिप्ट लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ? लिखिए ।

अथवा

अपनी किसी रोचक यात्रा का वृत्तांत लिखिए । 3

(ख) हाल ही में प्रकाशित किसी पुस्तक की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'किसी भी फिल्म अथवा धारावाहिक की सफलता में उसकी पटकथा की अहम् भूमिका होती है' – सिद्ध कीजिए । 3

(ग) 'मेट्रो दिल्ली की लाइफलाइन है ।' विषय पर एक फीचर लिखिए ।

अथवा

वर्ष 2009-10 में रिलीज़ किसी हिंदी फिल्म की समीक्षा कीजिए । 4

5. (क) 'लेखक और पाठक एक दूसरे के पूरक होते हैं ।' – इस कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए ।

अथवा

एक अच्छे संपादक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 3

(ख) आवश्यक चिह्नों का प्रयोग करते हुए प्रूफ-शोधन कीजिए :

भरात एक एसा देश है, जॉह अनेक संसकृतियाँ पनपी, अनक सभयताएँ आई और चलि गई तथा अनेक धर्मों के लोग आए और यहिं पर बस गए । इिसी कारन यहाँ कि धरा पर अनेक त्यौहार मनाऐ जाते है होली भी इंही त्यौहारों में से ऐक है । यह त्यौहार रगो का त्यौहार है । 2